55वीं CRPF प्रशिक्षु अधिकारियों की परेड

चर्चा में क्यों?

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम के कादरपुर स्थित प्रशिक्षण अकादमी में **केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF)** **के 55वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों** की पासिंग आउट परेड में कार्यभार संभाला।

मुख्य बिंदु

- **लोगों की सेवा करने का आह्वान:**
  - मुख्यमंत्री ने CRPF के नवनियुक्त अधिकारियों से **जनता की सेवा करने तथा जनकल्याण को प्राथमिकता देने वाले निर्णय लेने का आग्रह किया।**
  - अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने उनकी कमीशनिंग को जीवन का एक नया अध्याय बताया तथा उनके सफल, रोमांचक और चुनौतीपूर्ण करियर की कामना की।
- **कर्त्तव्य और ज़िम्मेदारी पर जोर:**
  - उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि **राष्ट्रीय ध्वज** लोगों की सेवा करने और प्रभावशाली निर्णय लेने के उनके कर्त्तव्य का प्रतीक है।
  - उन्होंने उनसे न केवल अपराधियों को पकड़ने बल्कि समाज में सद्भाव बनाए रखने की दिशा में भी काम करने का आग्रह किया।
- **अधिकारियों का स्नातक स्तर पर चयन:**
  - 6 मार्च 2025 को दो महिलाओं सहित कुल 39 प्रशिक्षु अधिकारी अकादमी से स्नातक होंगे।
  - इन अधिकारियों को अब **सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त किया गया है तथा इन्हें युद्ध कौशल, युद्ध, फायरिंग और अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में 52 सप्ताह का प्रशिक्षण दिया गया है।**
  - इन्हें देश के विभिन्न **आंतरिक सुरक्षा** केंद्रों पर तैनात किया जाएगा।

//

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF)

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) में गृह मंत्रालय के अधीन काम करने वाले भारत के सात सुरक्षा बल शामिल हैं।

असम राइफल्स (AR)

- **स्थापना:** वर्ष 1835, मिलिशिया के रूप में जिसे 'कछार लेवी' के नाम से जाना जाता था।
  - **पूर्ववर्ती उद्देश्य:** ब्रिटिश चाय बागानों की रक्षा करना।
- **वर्तमान उद्देश्य:**
  - उत्तर पूर्वी क्षेत्रों (NER) में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाना।
  - भारत-चीन और भारत-म्याँमार सीमाओं पर सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- **महत्त्वपूर्ण भूमिका:**
  - भारत-चीन युद्ध, 1962
  - श्रीलंका के लिये भारतीय शांति रक्षा सेना (IPKF) (1987) के रूप में।

आदिवासी इलाकों से लंबे जुड़ाव के कारण असम राइफल्स को 'उत्तर पूर्व का मित्र' भी कहा जाता है

सीमा सुरक्षा बल (BSF)

- **स्थापना:** वर्ष 1965
- **उद्देश्य:**
  - पाकिस्तान एवं बांग्लादेश के साथ भूमि सीमाओं को सुरक्षित करना।
  - साथ ही कश्मीर घाटी में घुसपैठ की समस्याओं को रोकना।
  - उत्तर पूर्वी क्षेत्रों (NER) में उग्रवाद का मुकाबला करना।
  - ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान चलाना।
- **विंग:** एयर विंग, समुद्री विंग, आर्टिलरी रेजीमेंट और कमाण्डो यूनिट्स।

सीमा सुरक्षा बल (BSF) भारत का पहला लाइन ऑफ़ डिफेंस और विश्व का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल है

केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF)

- **स्वतंत्रता-पूर्व स्थापना:** वर्ष 1939 (क्राउन रिप्रेजेंटेटिव्स पुलिस)।
- **स्वतंत्रता के पश्चात्:** वर्ष 1949 - CRPF अधिनियम के तहत, केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल के रूप में नामित किया गया।
- **उद्देश्य:** भीड़ नियंत्रण, दंगा नियंत्रण, काउंटर मिलिटेंसी/उग्रवाद संचालन, आदि।

CRPF आंतरिक सुरक्षा के लिये प्रमुख केंद्रीय पुलिस बल है

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)

- **स्थापना:** वर्ष 1962।
- **उद्देश्य:**
  - काराकोरम दर्रे (लद्दाख) से जचेप ला (अरुणाचल प्रदेश) तक सीमा पर तैनात (भारत-चीन सीमा का 3488 कि.मी. कवर करती है)।
  - भारत-चीन सीमा के पश्चिमी, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में 9000 फीट से 18700 फीट की ऊँचाई पर स्थित सीमा चौकियों की निगरानी।

ITBP एक विशेष पर्वतीय सैन्य बल है; जिसे प्राकृतिक आपदाओं का प्रथम प्रतिक्रियाकर्त्ता कहा जाता है

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG)

- **स्थापना:** वर्ष 1984 (1986 में अस्तित्व में आया), **ऑपरेशन ब्लू स्टार** के पश्चात्।
- **उद्देश्य:** आतंकवाद-रोधी इकाई/संघीय आकस्मिक बल।
- **टास्क ओरिएंटेड फोर्स- दो पूरक शाखाएँ:**
  - स्पेशल एक्शन ग्रुप (SAG)।
  - स्पेशल रेंजर ग्रुप (SRG)।

सशस्त्र सीमा बल (SSB)

- **स्थापना:** वर्ष 1963
- **उद्देश्य:**
  - भारत-नेपाल और भारत-भूटान सीमाओं की रक्षा करना।
  - सीमा सुरक्षा बढ़ाना, सीमा पार अपराधों पर अंकुश लगाना, अनधिकृत प्रवेश/निकास को रोकना, तस्करी रोकना, आदि।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF)

- **स्थापना:** केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल अधिनियम, 1968 के तहत।
- **उद्देश्य:** महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

CISF एक विशेष फायर विंग वाली एकमात्र CAPF यूनिट है

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/parade-of-55th-crpf-trainee-officers